

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों से बढ़ा वैश्विक खतरा, WHO ने दी बड़ी चेतावनी

Sanket Morankar

Published on 18 Mar 2026



मध्य पूर्व में जारी तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। हाल ही में ईरान के परमाणु स्थलों के आसपास हुए हमलों ने न सिर्फ क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच World Health Organization ने गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि परमाणु संयंत्रों को सीधा नुकसान पहुंचता है, तो यह स्थिति वैश्विक स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के Bushehr Nuclear Power Plant के आसपास एक प्रोजेक्टाइल गिरने की घटना सामने आई है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी International Atomic Energy Agency ने स्पष्ट किया है कि इस हमले से किसी प्रकार का बड़ा नुकसान या रेडिएशन रिसाव नहीं हुआ है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है।

परमाणु संयंत्रों पर किसी भी प्रकार का हमला बेहद संवेदनशील माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि रिएक्टर या परमाणु सामग्री को नुकसान पहुंचता है, तो रेडियोधर्मी तत्व वातावरण में फैल सकते हैं। इससे न केवल आसपास के इलाके बल्कि पड़ोसी देशों तक गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

World Health Organization ने चेतावनी दी है कि ऐसे हालात में:

- हवा और पानी दूषित हो सकते हैं
- कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है
- बड़े पैमाने पर लोगों को विस्थापित करना पड़ सकता है

अब तक World Health Organization ने औपचारिक रूप से “Global Health Emergency” घोषित नहीं किया है। लेकिन संगठन ने स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संयम बरतने की अपील की है।

International Atomic Energy Agency के प्रमुख ने भी कहा है कि मौजूदा हालात में परमाणु सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ गया है और अगर स्थिति बिगड़ती है तो बड़े स्तर पर रेडिएशन फैल सकता है।

वहीं, United Nations ने भी इस पूरे घटनाक्रम को “खतरनाक बढ़ोतरी” (dangerous escalation) बताया है और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है।

ईरान-इजराइल संघर्ष के चलते पहले ही स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ चुका है। अस्पतालों को खाली कराना पड़ रहा है और चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसके साथ ही युद्ध के कारण विस्थापन, भीड़भाड़ और खराब स्वच्छता की स्थिति में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

परमाणु संयंत्रों पर हमला सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहता। इसके प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महसूस किए जा सकते हैं:

- रेडिएशन हवा और पानी के जरिए दूसरे देशों तक फैल सकता है
- वैश्विक व्यापार, खासकर तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है
- पर्यावरण पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है

हाल के हफ्तों में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर हमले किए गए हैं, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं।

इसके जवाब में ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है, जिससे पूरे क्षेत्र में युद्ध का खतरा और गहरा गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु ठिकानों पर हमला “रेड लाइन” माना जाता है। यदि यह सीमा पार होती है, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है और यह वैश्विक संकट में बदल सकती है।

ईरान के परमाणु स्थलों के आसपास हुए हमलों ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते। World Health Organization की चेतावनी स्पष्ट है—यदि हालात नहीं सुधरे, तो यह एक बड़े वैश्विक स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकता है।

फिलहाल “Global Health Emergency” घोषित नहीं हुआ है, लेकिन खतरे की घंटी जरूर बज चुकी है। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका और कूटनीतिक प्रयास इस संकट की दिशा तय करेंगे।